संख्या- 10 /252 /चार-2015-377(बजट)07

प्रेषक,

मणीन्द्र शर्मा
अनु सचिव
उत्तर प्रदेश शासन

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय उ0प्र0,
जवाहर भवन, लखनऊ।

संस्कृति अनुभाग: लखनऊ: दिनांक 06 फरवरी, 2015

विषय:-जनजाति एवं लोक कला संस्कृति संस्थान , लखनऊ को 20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन) आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधान के सापेक्ष द्वितीय किश्त की वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध मे।

महोदय,

उपरोक्त विषयक निदेशक , जनजाति एवं लोक कला संस्कृति संस्थान , लखनऊ के पत्र संख्या-42/ज0लो0क0सं0-15(38)/2003, दिनांक 20 जनवरी,2015 जो आपको सम्बोधित तथा शासन को पृष्ठांकित है, के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 में जनजाति एवं लोक कला संस्कृति संस्थान , लखनऊ हेतु 20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन) में प्राविधानित धनराशि रू0 15,00,000/- (रूपये पन्द्रह लाख मात्र) के सापेक्ष शासनादेश संख्या- 1136/चार-2014-377(वि)/07, दिनांक 23 मई,2014 तथा शासनादेश संख्या- 1710/चार-2014-377(वि)/07, दिनांक 05 सितम्बर,2014 द्वारा क्रमश: रू0 5,00,000/- (रूपये पॉच लाख मात्र) तथा रू0 2,50,000/- (रूपये दो लाख पचास हजार मात्र) की स्वीकृति प्रदान की गयी है, के क्रम में अवशेष अन्तिम किश्त की 50 प्रतिशत धनराशि रू0 7,50,000/- (रूपये सात लाख पचास हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए आपके निर्वतन पर रखे जाने की स्वीकृति श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते है।

2- उक्त स्वीकृति इस प्रतिबन्ध के अधीन प्रदान की जाती है कि स्वीकृत धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार किया जायेगा और स्वीकृत मदों पर ही व्यय की जायेगी, अन्य मदों अथवा व्यय की नई मदों पर व्यय हेतु कदापि उपयोग नहीं की जायेगी और स्वीकृत धनराशि में से यदि कोई धनराशि अवशेष बचती है तो उसे तत्काल राजकोष में जमा किया जायेगा । यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि इन धनराशियों का प्रदेशन ही अकेले किसी प्रकार के व्यय करने का अधिकार नहीं देता, व्यय करने के लिए बजट मैनुअल और वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत नियमों अथवा अन्य स्थाई आदेशों से शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की, जहॉ आवश्यकता हो, व्यय करने के पूर्व स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय। उक्त आहरित धनराशि को बैंक/पोस्ट आफिस में जमा नहीं की जायेगी। उपर्युक्त स्वीकृत धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग के मितव्यता सम्बन्धी आदेशों तथा व्यय पर नियंत्रण के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश का भी अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

http://shasanadesh.up.nic.in

3- वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-बी-1-2457/दस-2014-231/2014, दिनांक 22 जुलाई, 2014 एवं वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड-5 भाग-1 के नियमों व इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों में दिये गये दिशा निर्देशों का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। इसके साथ-साथ राजकीय धन व्यय करने में उ0प्र0 बजट मैनुअल के प्रस्तर-12 में दी गई शर्तो की पूर्ति तथा वित्तीय औचित्य के मानको (स्टैण्डडर्स आफ फाइनेंशियल प्रोप्राइटरी) का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाएगा।

4- जनजाति एवं लोक कला संस्कृति संस्थान को पूर्व वर्षो में स्वीकृत /अवमुक्त अनुदान की धनराशि से सम्बन्धित स्थानीय लेखा परीक्षा /आडिट रिपोर्ट शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

5- उक्त पर होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या- 92- के अधीन लेखाशीर्षक-2205- कला एवं संस्कृति-आयोजनेत्तर- 101- ललित कला शिक्षा-22- लोक एवं जनजाति कला तथा संस्कृति संस्थान की स्थापना-20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन) के नामे डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-ई-7-105 /दस-2015,दिनांक 04 फरवरी,2015 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(मणीन्द्र शर्मा)
अनु सचिव।

संख्या- 10 /252(1)/चार-2015 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- प्रधान महालेखाकार, (लेखा व हकदारी) प्रथम, उ0प्र0 इलाहाबाद।
2- निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ0प्र0 इलाहाबाद।
3- वित्त नियंत्रक, संस्कृति निदेशालय , उ0प्र0 जवाहर भवन, लखनऊ ।
4- मुख्य कोषाधिकारी, कोषागार, जवाहर भवन, लखनऊ।
5- निदेशक , जनजाति एवं लोक कला संस्कृति संस्थान , लखनऊ।
6- वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-7/ वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1/नियोजन अनुभाग-4
7- निजी सचिव, मा0 संस्कृति मंत्री।
8- बेव अधिकारी, संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0 जवाहर भवन लखनऊ ।
9- गार्ड फाइल।

आज्ञा से ,

(मणीन्द्र शर्मा)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in